Dr. Purnima Singh
Department of Political Science.

B.A part. II paper - III, Indian Govt. and politics. I.A 1st year. paper - 1 Indian Govt. and politics.

Topic - Federalism. 2 Lecture - 56

संघ के प्रकार (Types of Federation).

(1) अभिकेन्द्रीय प्रवृत्तियाँ (Centripetal Forces) - जब कई स्वतन्त्र और संप्रभु राज्य आपस में मिलकर सामान्य संप्रभुता को स्वीकार कर एक नए संघराज्य का गठन करते हैं, संयुक्त राज्य अमेरिका, स्विट्जरलैंड और आस्ट्रेलिया इसके उदाहरण हैं।

2. विकेन्द्रीयकृत प्रवृत्तियाँ (centrifugal Forces) - जब किसी एकात्मक शासन व्यवस्था (unitary state) को अनेक राजनीतिक इकाइयों में बाँटकर वहाँ स्थानीय सरकारें तथा केन्द्र में एक अन्य सरकार तथा दोनों के बीच अधिकार क्षेत्र का स्पष्ट बँटवारा करने के साथ गठित की जाती है तो उसे विकेन्द्रीयकृत संघ कहा जाता है। कनाडा और भारत में इसी प्रकार की संघात्मक व्यवस्था है।

संघीय शासन व्यवस्था के गुण
(merits of Federal system)

1. बड़े-बड़े देशों के लिए लाभदायक (useful for Bigger states) - संघात्मक शासन प्रणाली बड़े-बड़े देशों के लिए बहुत ही लाभदायक है क्योंकि संघात्मक शासन प्रणाली में शक्तियों का बँटवारा किया जाता है, स्थानीय विषय प्रान्तीय सरकारों

दे दिए जाते हैं और राष्ट्रीय विकास केन्द्र सरकार को जिससे छोटे राज्य अपनी आर्थिक, राजनीतिक और सैनिक जरूरतों को पूरा करने में सफल हो जाते हैं।

2. निरंकुशता पर रोक (Prevents the Rise of Despotism) - संघ सरकार में शक्तियों का विभाजन होने के कारण केन्द्र सरकार निरंकुश नहीं बन पाती, जहाँ शक्तियों का केन्द्रीयकरण हो जाता है वहाँ निरंकुशता पनपती है। लॉर्ड एक्टन के अनुसार, "शक्ति भ्रष्ट करती है और अत्यधिक शक्ति पूरी तरह भ्रष्ट करती है।" (Power Corrupts and Absolute Power Corrupts Absolutely).

राज्य सरकारें भी अपने-अपने क्षेत्र में स्वतन्त्र होती हैं।

3. विविधता में एकता (Unity with Diversity) - आज दुनिया में संयुक्त राज्य अमेरिका, आस्ट्रेलिया, दक्षिण कनाडा, भारत आदि अनेक बड़े क्षेत्र और बड़ी जनसंख्या वाले देश मौजूद हैं। इन देशों के निवासियों में वंश, जाति, भाषा, वेशभूषा, मत, पंथ, रीति-रिवाज, रहन-सहन, खान-पान आदि अनेक विभिन्नताएँ मौजूद हैं। ये विविध जनसमूह अपनी इन पृथक विशेषताओं को छोड़ना भी नहीं चाहते, क्योंकि उन्हें इनसे बहुत गहरा भावनात्मक लगाव होता है। संघ शासन व्यवस्था इन विविध या अनेक तरह के जनसमूहों को एक साथ लाकर भी उनकी इन विशेषताओं पर चोट नहीं करती। यह विविधता में एकता कायम करने का काम करती है।

4. संकटों से बचाव (Not vulnerable) – संघ शासन व्यवस्था राज्य और समाज का संकटों से भी बचाव करती है। इसका कारण यह है कि इस शासन व्यवस्था में सरकार का एक केन्द्र-बिन्दु न होकर कई केन्द्र बिन्दु होते हैं। अतः बाहरी आक्रमणों और प्रकार के संकटों में सरकार का पतन शीघ्रता से होने का खतरा कभी भी नहीं रहता। अमेरिका में 1863 में गृहयुद्ध (civil war -1863) का मुकाबला इसलिए प्रभावशाली तरीके से हुआ क्योंकि वहाँ पर संघात्मक शासन प्रणाली थी।

संघीय शासन व्यवस्था के दोष

(Demerits of Federal system)

संघात्मक शासन प्रणाली में कुछ दोष भी पाए जाते हैं, इसमें स्थानीय वफादारी (Local Loyalty) ज्यादा हावी हो जाती है। लोग राष्ट्रीय समस्याओं के प्रति इतने जागरूक नहीं होते, न ही दिलचस्पी लेते हैं। भारत जैसे देश में क्षेत्र, भाषा, धर्म के नाम पर राजनीति आन्दोलन चलते रहते हैं।

पानी की समस्या हो या फिर राजधानी की, प्रान्तों के आपसी हितों में जबरदस्त टकराव बना रहता है। इस संघात्मक प्रणाली के कुछ दोष इस प्रकार से हैं —

1. संघात्मक प्रणाली बहुत खर्चीली है।
2. संघ राज्यों के नागरिकों में निष्ठा और वफादारी विभाजित रहती है।
3. यह प्रणाली प्रशासकीय तरीके से भी ज्यादा प्रभावशाली नहीं होती।
4. विदेश नीति को लागू करना कठिन होता है।
5 शासन व्यवस्था बहुत जटिल होती है।

## भारतीय संघ (Indian Union)

सरकार राज्य का एक महत्वपूर्ण अंग है, परन्तु सभी राज्यों की सरकारों का रूप समान नहीं होता। सरकार का चयन देश की विशेष परिस्थितियों और आवश्यकताओं को ध्यान में रखकर किया जाता है। इसी कारण किसी देश की सरकार एकात्मक और किसी की संघात्मक स्वरूप की होती है। आधुनिक राज्यों की जनसंख्या तथा क्षेत्रफल इतने विशाल हो गए हैं कि शासन की सुविधा के लिए राज्यों को कई इकाइयों में बाँटा जाता है, जिनको प्रायः प्रान्त या राज्य कहा जाता है। ये इकाईयाँ केवल शासन की सुविधा के आधार पर, कभी भौगोलिक कारणों तथा कभी भाषा, संस्कृति आदि के आधार पर बनाई जाती हैं। इन इकाइयों का सरकारों तथा केन्द्रीय सरकार से क्या सम्बन्ध है, इनके आधार पर सरकार के दो रूप माने गए हैं — एकात्मक सरकार (Unitary Govt.) तथा संघात्मक सरकार (Federal Govt.).

1. एकात्मक सरकार (Unitary Government)

इसका अभिप्राय है कि एकात्मक शासन प्रणाली में स्वाधीन प्रान्तों का अस्तित्व नहीं होता बल्कि सम्पूर्ण देश में एक ही शक्तिशाली केन्द्रीय सरकार होती है। शासन की सुविधा के लिए जो स्थानीय सरकारें बनाई जाती हैं उनका कोई स्वतन्त्र अस्तित्व नहीं होता, अपितु वे केन्द्रीय सरकार पर निर्भर करती हैं,